C392

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-202

गद्य एवं पद्य काव्य

एम.ए. संस्कृत (MASL)

Second Year Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. कालिदास की काव्यकला पर निबन्ध लिखिए।

2. निम्नलिखित श्लोकों एवं गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की ससन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

(क) कश्चित्कान्ता विरह गुरूणा स्वाधिकाराप्रमत्तः, शापेनास्तङ्मितमहिमा वर्षभोग्येण भर्तुः।

यक्षाश्चक्रे जनकतनया स्नानपुण्योद केषु, स्निग्धच्छायातरूषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु।।

(ख) अप्यन्स्मि जलधर। महाकालमासाद्य काले स्थातव्यं ते नयनविषयं यावदत्येति भानुः।

कुर्वन् सन्ध्या बलिपटहतां शूलिनः श्लाद्यनीय-मामन्द्राणां फलमविकलं लप्स्यसे गर्जितानाम्।

वा

धूमज्योतिः सलिलमरूतां सन्निपातः क्व मेघः, सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।

इत्यौत्सुक्याद परिगणयन्गु हृदकस्तं ययाचे, कामार्ता हि प्रकृति-कृपणाश्चेतना चेतनेषु।।

(ग) अद्य हि वेदा विच्छद्य वीथीषु विक्षिप्यन्ते, धर्मशास्त्राण्युद्धूय धूमध्वजेषू ध्मायन्ते, पुराणानि पिष्टवा पानीयेषु पात्यन्ते, भाष्याणि भ्रंशयित्वा भ्राष्टेषु भर्ज्यन्ते, क्वचित्मन्दिराणि भिद्यन्ते, क्वचित्तुलसीवनानि छिद्यन्ते, क्वचिद् द्वारा अपह्रियन्ते, क्वचिद् धनानि लुण्ठयन्ते क्वाचिदार्तनादाः।

वा

"विष्णोर्माया भगवती यया सम्मोहितज्जगत्"

(घ) "अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमयः

समयोऽतिवाति:, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमि कुसुमानि" इति चिन्तयन् कदलीदलमेकमाकुञ्च्य, तृणशकलै: सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्त्तुमारेभे।

3. मेघदूत (पूर्वमेघ) के आधार पर कालिदास की कवित्व सूक्ति का सविस्तार विवेचन कीजिए।

4. 'शिवराजविजय' के गद्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

5. 'शिवराजविजय' के प्रथम नि:श्वास में उल्लिखित राष्ट्रीय भावना पर अपने विचार कीजिए।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. "हिंस्र: स्वपापेन विहिंसित: खल: साधु: समत्वेन भयादविमुच्यते" इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

2. कालिदास के उपमासौन्दर्य को 'मेघदूतम्' के किन्हीं दो उदाहरणों से सिद्ध कीजिए।

वा

पूर्वमेघ की प्रथम इकाई पर प्रकाश डालिए।

3. "आशबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यंगनानां" सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

4. "रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवायः" इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

वा

"कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्" उक्त सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

5. शिववीर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. उपन्यास के तत्वों का नामोल्लेख करते हुए शिवराजविजय का प्रतिपाद्य लिखिए।

वा

गौरसिंह एवं यवन युवक के संवाद पर प्रकाश डालिए।

7. बाणभट्ट पर एक टिप्पणी लिखिए।

8. पं. अम्बिकादत्त व्यास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

वा

मेघ के प्रथम दर्शन पर यक्ष के मनोभावों का वर्णन कीजिए।